राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • बुधवार • 13 नवम्बर • 2024

रसीम चारा अधिक पाचक पौष्टिक, स्वस्थ रहेंगे पशु

एसए के पशुपालन विशेषज्ञ ने किसानों के लिये जारी की एडवाइजरी

ुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद ंव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के डेयरी शुपालन विज्ञान विभाग के प्रो.डॉ.पीके ाय ने किसानों के लिये एडवाइजरी करते हुए वताया कि वरसीम सर्दी के में पौष्टिक चारे का एक उत्तम स्त्रोत मेंं रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की मात्रा 20 से 22 प्रतिशत होती है। चारे की पाचनशीलता 70 से 75 ा होती है। इसके अतिरिक्त इसमें यम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा जाते है, जिसके कारण दुधारू पशुओं लग से खलीन्दाना आदि देने की यकता कम पड़ती है।

उन्होंने वताया कि प्रायः यह देखा गया प्रथम कटाई के दौरान कम उपज है परन्तु दूसरी और तीसरी कटाई के सवसे अधिक उपज मिलती है। किसान वरसीम उपलव्धता के कारण पशुओं को अधिक खिला देते है और नुक़सान उठाते है। वरसीम अधिक खाने से पशुओं में अफारा रोग हो जाता है। इसलिए सूखे चारे के साथ मिलाकर खिलाएँ या पहले सूखा चारा फिर वरसीम खिलाएँ। वरसीम की वुआई के समय ही यदि इसके वीज के साथ जई और गोभी, सरसों के वीज मिलाकर वोया जाये तो इससे न केवल अधिक मात्रा में हरा चारा प्राप्त होगा वल्कि पशु को अफारा रोग की समस्या से छुटकारा भी मिलेगा।

कार्यालय नगर

पत्रांक : 117/ न.पं. मोहान/ स्वच्छ भार

नगर पंचायत मोहान के
2024 हेतु नगर पंचायत मोहान,
पंचायत मोहान, उन्नाव द्वारा खुले
Free City घोषित किया जाता है,

अमर भारती

एक उम्मीद

6 संस्करण

2, मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com बुधवार, 13 नवम्बर 2024 शक सम्वत् 1946, क

बरसीम पशुओं के लिए अधिक पाचक व पौष्टिक

कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज डेरी एवं पशुपालन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ पीके उपाध्याय ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बरसीम सर्दी के मौसम में पौष्टिक चारे का एक उत्तम स्त्रोत है। इसमें रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की औसत मात्रा 20 से 22 प्रतिशत होती है । इसके चारे की पाचनशीलता 70 से 75 प्रतिशत होती है। इसके अतिरिक्त इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा में पाये जाते है, जिसके कारण दुधारू पशुओं को अलग से खली-दाना आदि देने की आवश्यकता कम पड़ती है। उन्होंने बताया कि प्रायः यह देखा गया है कि प्रथम कटाई के दौरान कम उपज मिलती है, परन्तु दूसरी और तीसरी कटाई के समय सबसे अधिक उपज मिलती है।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 16 अंक : 132 कानपुर, बुधवार 13 नवम्बर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

बरसीम चारा पशुओं हेतु अधिक पाचक एवं पौष्टिक : डॉ पीके उपाध्याय

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज डेरी एवं पशुपालन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ पीके उपाध्याय ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बरसीम सर्दी के मौसम में पौष्टिक चारे का एक उत्तम स्त्रोत है। इसमें रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की औसत मात्रा 20 से 22 प्रतिशत होती है । इसके चारे की पाचनशीलता 70 से 75 प्रतिशत होती है। इसके अतिरिक्त इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा में पाये जाते है, जिसके कारण दुधारू पशुओं को अलग से खली-दाना आदि देने की आवश्यकता कम पड़ती है। उन्होंने बताया कि प्राय: यह देखा गया है कि प्रथम कटाई के दौरान कम उपज मिलती है, परन्तु दूसरी और तीसरी कटाई के समय सबसे अधिक उपज मिलती है द्य किसान भाई बरसीम उपलब्धता के कारण पशुओं को अधिक खिला देते हैं और नुक़सान उठाते हैं 7 बरसीम अधिक खाने से पशुओं में अफारा रोग हो जाता है। इसलिए सूखे चारे के साथ मिलाकर खिलाएँ या पहले सूखा चारा फिर बरसीम खिलाएँ द्य बरसीम की बुआई के समय ही यदि इसके बीज के साथ जई और गोभी, सरसो के बीज मिलाकर बोया जाय तो इससे न केवल अधिक मात्रा मे हरा चारा प्राप्त होगा। बल्कि पशु को अफारा रोग की समस्या से छुटकारा भी मिलेगा और चारे की पौष्टिकता, पाचकता भी बढ़ जाएगी।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य

वर्षः 14 | अंक :298 | कानपुर, बुधवार 13 नवम्बर 2024 | RNI UPHIN/2010/47220 | पृष्ठ

बरसीम चारा पशुओं हेतु अधिक पाचक एवं पौष्टिक, स्वस्थ रहेंगे पशु- डॉ पीके उपाध्याय

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज डेरी एवं पशुपालन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ पीके उपाध्याय ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बरसीम सर्दी के मौसम में पौष्टिक चारे का एक उत्तम स्त्रोत है। इसमें रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की औसत मात्रा 20 से 22 प्रतिशत होती है । इसके चारे की पाचनशीलता 70 से 75 प्रतिशत होती है। इसके अतिरिक्त इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा में पाये जाते है, जिसके कारण दुधारू पशुओं को अलग से खली-दाना आदि देने की आवश्यकता कम पड़ती है। उन्होंने बताया कि प्राय: यह देखा गया है कि प्रथम कटाई के दौरान कम उपज मिलती है, परन्तु दूसरी और तीसरी कटाई के समय सबसे अधिक उपज मिलती है द्य किसान भाई बरसीम उपलब्धता के कारण पशुओं को अधिक खिला देते हैं और नुक़सान उठाते हैं बरसीम अधिक खाने से पशुओं में अफारा रोग हो जाता है। इसलिए सूखे चारे के साथ मिलाकर खिलाएँ या पहले सूखा चारा फिर बरसीम खिलाएँ द्य बरसीम की बुआई के समय ही यदि इसके बीज के साथ जई और गोभी, सरसो के बीज मिलाकर बोया जाय तो इससे न केवल अधिक मात्रा मे हरा चारा प्राप्त होगा। बल्कि पशु को अफारा रोग की समस्या से छुटकारा भी मिलेगा और चारे की पौष्टिकता, पाचकता भी बढ़ जाएगी

बरसीम का चारा पशुओं के लिए उत्तम : डॉ. पीके उपाध्याय।

आज़ाद समाचार NOVEMBER 13, 2024 1 MIN READ

आ स. संवाददाता

कानपुए। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के डेरी एवं पशुपालन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. पीके उपाध्याय ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया है कि किसानों के लिए बरसीम का चारा उनके पशुओं के लिए सर्दी के मौसम में पौष्टिक चारे का एक उत्तम स्त्रोत है। इसमें रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की औसत मात्रा 20 – 22 प्रतिशत तक होती है । इसके अतिरिक्त इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा में पाये जाते है, जिसके कारण दुधारू पशुओं को अलग से खली-दाना आदि देने की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

डा. उपाध्याय ने बताया कि प्रायः यह देखा गया है कि बरसीम की प्रथम कटाई के दौरान कम उपज मिलती है, परन्तु दूसरी और तीसरी कटाई के समय सबसे अधिक उपज मिलती है। उन्होंने किसानों को सचेत किया कि कुछ किसान भाई अधिक बरसीम उपलब्धता के कारण पशुओं को अधिक खिला देते हैं और नुकसान उठाते हैं। बरसीम अधिक खाने से पशुओं में अफारा रोग हो जाता है। इसलिए बरसीम को सूखे चारे के साथ मिलाकर खिलाएँ या पहले सूखा चारा खिलाए फिर पशुओं को बरसीम खिलाएँ।

डा. उपाध्याय ने सलाह दी है कि बरसीम की बुआई के समय ही यदि इसके बीज के साथ ही जई और गोभी, सरसो के बीजो को मिलाकर बोया जाय तो इससे न केवल अधिक मात्रा मे हरा चारा प्राप्त होगा, बल्कि पशु को अफारा रोग की समस्या से छुटकारा भी मिलेगा और चारे की पौष्टिकता, पाचकता भी कई गुना बढ़ जाएगी।

बरसीम चारा पशुओं हेतु अधिक पाचक एवं पौष्टिक, स्वस्थ रहेंगे पशु : डॉ पीके उपाध्याय

पंकज अवस्थी, सच की अहमियत

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज डेरी एवं पशुपालन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ पीके उपाध्याय ने किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि बरसीम सर्दी के मौसम में पौष्टिक चारे का एक उत्तम स्त्रोत है। इसमें रेशे की मात्रा कम और प्रोटीन की औसत मात्रा 20 से 22 प्रतिशत होती है । इसके चारे की पाचनशीलता 70 से 75 प्रतिशत होती है। इसके अतिरिक्त इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस भी काफी मात्रा में पाये जाते है, जिसके कारण दुधारू पशुओं को अलग से खली-दाना आदि देने

की आवश्यकता कम पड़ती है। उन्होंने बताया कि प्रायः यह देखा गया है कि प्रथम कटाई के दौरान कम उपज मिलती है, परन्तु दूसरी और तीसरी कटाई के समय सबसे अधिक उपज मिलती है द्य किसान भाई बरसीम उपलब्धता के कारण पशुओं को अधिक खिला देते हैं और नुक़सान उठाते हैं 7 बरसीम अधिक खाने से पशुओं में अफारा रोग हो जाता है। इसलिए सूखे चारे के साथ मिलाकर खिलाएँ या पहले सूखा चारा फिर बरसीम खिलाएँ द्य बरसीम की बुआई के समय ही यदि इसके बीज के साथ जई और गोभी, सरसो के बीज मिलाकर बोया जाय तो इससे न केवल अधिक मात्रा मे हरा चारा प्राप्त होगा। बल्कि पशु को अफारा रोग की समस्या से छुटकारा भी मिलेगा और चारे की पौष्टिकता, पाचकता भी बढ़ जाएगी।